

‘निष्पक्ष चुनाव में माइक्रो ऑब्जर्वर्स की अहम भूमिका’

कोटा, (निर्स)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियोजित सामान्य पर्यवेक्षक डॉ. वेंकटाचलम ने कहा कि शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव आयोजन में माइक्रो ऑब्जर्वर्स की अहम भूमिका है। माइक्रो ऑब्जर्वर्स मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद 18 बिन्दुओं पर आधारित रिपोर्ट सामान्य पर्यवेक्षक को भेजना सुनिश्चित करें।

डॉ. वेंकटाचलम शुक्रवार को राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान के ऑडिटोरियम में आयोजित माइक्रो ऑब्जर्वर्स के द्वितीय प्रशिक्षण के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिए मतदान से जुड़ा प्रत्येक कार्मिक एवं अधिकारी अपने कर्तव्य का बखूबी निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर लगाए गए माइक्रो ऑब्जर्वर्स टैंडर वोट, प्रॉक्सि वोट, मॉक पोलिंग सहित दिनभर चली मतदान प्रक्रिया के दौरान मतदान केन्द्र की हर गतिविधियों की रिपोर्ट तैयार करें। मतदान केन्द्रों पर समस्त तैयारियाँ पूरी हों, मतदान शुरू होने से 90 मिनट पहले मॉक पोल किया

‘मतदान की पूरी प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो’

जाए। उन्होंने कहा कि माइक्रो ऑब्जर्वर संवेदनशील मतदान केन्द्र पर सजगता से नजर रखें एवं किसी भी तरह की अशांति एवं विशेष परिस्थितियाँ उत्पन्न होने पर तुरंत इसकी सूचना सामान्य पर्यवेक्षक को दी जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने प्रशिक्षण ले रहे माइक्रो ऑब्जर्वर्स को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता पारदर्शी, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव करवाना है। इसके लिए मतदान के दिन प्रातः 5:30 बजे मॉक पोल करवाया जाए एवं मॉक पोल के बाद राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में क्लोज बटन दबाकर मॉक पोल का डेटा क्लियर करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि माइक्रो ऑब्जर्वर देखें कि मतदान केन्द्र पर समस्त आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध हों एवं मतदान की पूरी प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो। प्रशिक्षण के दौरान स्टेट लेवल मास्टर

ट्रेनर डॉ. राजेश चन्द्र दाधीच एवं डॉ. अनिल कुमार खत्री ने मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद सामान्य पर्यवेक्षक को भेजी जाने वाली 18 बिन्दुओं की रिपोर्ट, ईवीएम एवं वीवीपेट के संचालन, टैंडर वोटिंग, एएसडी वोटर्स, मॉक पोल की प्रक्रिया, माइक्रो ऑब्जर्वर के दायित्व आदि के बारे में पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी। नोडल अधिकारी प्रशिक्षण कुशल कुमार कोठारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग को गार्डलैलाईन के अनुरूप स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव करवाने में माइक्रो ऑब्जर्वर्स अपने कर्तव्यों का समुचित निर्वहन करें। अतिरिक्त ओआईसी ट्रेनिंग रमेश शर्मा ने ट्रेनिंग को शुरूआत में माइक्रो ऑब्जर्वर की भूमिका के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण में 205 माइक्रो ऑब्जर्वर्स ने भाग लिया। सामान्य पर्यवेक्षक डॉ. वेंकटाचलम एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने प्रशिक्षण स्थल पर ईवीएम एवं वीवीपेट की संचालन प्रक्रिया देखी एवं आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। प्रशिक्षण के दौरान माइक्रो ऑब्जर्वर्स को ईवीएम एवं वीवीपेट का डेमो दिखाया गया।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज कोटा में

कोटा, (निर्स)। कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला के पक्ष में चुनाव प्रचार हेतु केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 20 अप्रैल शनिवार को दोपहर 12 बजे सीआरडी ग्राउंड कोटा में ‘विजय संकल्प महासम्मेलन’ सभा को संबोधित करेंगे। भाजपा शहर जिला अध्यक्ष राकेश जैन ने बताया कि विजय संकल्प महासम्मेलन में भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला, कोटा बूंदी लोकसभा के प्रभारी एवं उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा एवं पंचायतोंज मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा राज्य मंत्री हिरालाल नागर, कोटा संभाग के प्रभारी मुकेश दाधीच, विधायक संदीप शर्मा, विधायक कल्पना देवी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मौलाल मीणा, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभु लाल खत्री, बूंदी जिला अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, कोटा देहात जिला

अध्यक्ष प्रेम गोचर, पूर्व विधायक चंद्रकांता मेघवाल, पूर्व विधायक अशोक डोगरा एवं जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधि विस्तारकण एवं पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। शहर जिला अध्यक्ष जैन ने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह की आमसभा को लेकर आमजन में व्यापक उत्साह है, आमसभा में कोटा बूंदी लोकसभा क्षेत्र के आम नागरिकों सहित भाजपा के सभी जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारी सहित ऐतिहासिक जन सहभागिता रहेगी। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी, कोटा शहर जिले ने युद्ध स्तर पर आम सभा को ऐतिहासिक बनाने के लिए वाई एवं बूथ स्तरों तक तैयारी बैठकें की हैं, आमजन में प्रखर राष्ट्रवादी गृहमंत्री अमित शाह की बैठक को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है।

राशन सामग्री का वितरण किया

कोटा, (निर्स)। रोटी क्लब पदमिनी के द्वारा अपने स्थाई प्रोजेक्ट अननूपूर्ण प्रोजेक्ट के तहत मुस्कान की रसोई को राशन सामग्री का वितरण किया गया। क्लब अध्यक्ष सुपना बंसल एवं सचिव दिप्ति राजावत ने बताया कि क्लब ने 90 किलो राशन सामग्री भेंट की है। उन्होंने बताया कि यह क्लब का स्थाई प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट के तहत क्लब हर माह किसी भी जरूरतमंद संस्था को राशन सामग्री व भोजन पैकेट वितरित करता है। दीप्ति राजावत ने बताया कि अप्रैल माह में अननूपूर्ण प्रोजेक्ट की चैयरमैन रेणु दीपचन्दानी रही जिनके सहयोग से राशन सामग्री की वितरित हो सका। रेणु दीपचन्दानी ने बताया कि मुस्कान की रसोई निर्यत व जरूरतमंद लोगों को भोजन करने का कार्य 5 रुपये थाली में करवाती है। ऐसे में संस्था ने आटा, कान्हा, नमक, दाल, नमक व मसालों सहित 90 किलो राशन सामग्री भेंट की।

राज्य कर्मियों ने शहरवासियों को मतदान करने का संदेश दिया

कोटा, (निर्स)। मतदाताओं की भागीदारी और सक्रियता बढ़ाने के लिये की जा रही गतिविधियों में सतरंगी सप्ताह के तहत आज तीसरी दिवस सर्विस वोटर एवं राज्य कर्मियों के लिए जागृति अभियान चलाया गया। इसके तहत नगर निगम कोटा से विभिन्न विभागों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को वाहने रैली निकाली गई, जिसे स्वीप नोडल अधिकारी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद अशोक कुमार त्यागी ने रवाना किया। रैली में कर्मचारी का विशाल समूह अपने वाहनों पर मतदाता जागरूकता के नारे लिखी हुई तख्तियां लेकर दादाबाड़ी के प्रमुख मार्गों से होता हुआ गुजरा। जिसमें जिला परिषद,

यूआरटी, नगर निगम, श्रम विभाग एवं अन्य विभागों के कर्मियों ने भाग लिया। यह रैली सीएडी सर्किल एवं दादाबाड़ी के मुख्य मार्गों पर होती हुई, आम लोगों को 26 अप्रैल को मतदान करने का संदेश देती हुई आगे बढ़ी। इससे पूर्व राजकीय कर्मियों को जागृत करने के क्रम में स्वीप एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर पुरुषोत्तम शर्मा ने जेडीबी पहुंचकर मतदान प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 500 कर्मियों को ई-शपथ डाउनलोड करवाई तथा अपने परिवार जनों को शत-प्रतिशत मतदान करवाने के लिए आह्वान किया। मतदान करने के लिए किता संवाद देवली कला में सहायक निदेशक कलेश शिखा डॉ गीता राम शर्मा ने ग्रामीणों को स्वीप गतिविधियों

के बारे में एवं मतदान करने को सुनिश्चित करने के लिए संवाद एवं आह्वान किया। उन्होंने बताया कि मतदान करना और मतदान के लिए जागरूकता करना लोकतंत्र के लिए अति आवश्यक कार्य है एवं सबक कर्तव्य भी है। सहायक निदेशक कलेश शिखा ने बताया कि लोकतंत्र के लिए हम सभी को 26 अप्रैल को मतदान करने जाना है जिसका समय प्रातः 7 से 6 बजे तक रहेगा। इस दौरान स्वीप प्रभारी राजकीय महाविद्यालय के डॉ. मनोज कुमार ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता छात्रवृत्ति के विद्यार्थियों, मंत्रालय कर्मचारियों एवं संकाय सदस्यों के साथ मतदान करने का संकल्प भी लिया गया।

डेंगू रोधी गतिविधियों की कोटा, (निर्स)। डेंगू, मलेरिया आदि मच्छर जनित बीमारियों को रोकथाम व नियंत्रण के लिए जिले में डोर-टू-डोर सर्वे अभियान जारी है। शुक्रवार को मलेरिया क्लेश कार्यक्रम के तहत चिकित्सा विभाग की 738 टीमें ने 12167 घरों का सर्वे कर एंटी लार्वा और जागरूकता गतिविधियां की। सीएमएचओ डॉ. जानदीश कुमार सोनी ने बताया कि टीमें ने घरों के 20752 कंटेनर जैसे पानी की टंकियों, कुत्त, ड्रम, परिपेट, गमले, फ्रोज की ट्रे और छतों पर रखे पानी जमा हो सकने वाले टायर, कबाड़ आदि की जांच की।

दिल के रोगियों को ईथॉस से मिली राहत

कोटा, (निर्स)। हाइड्रॉटी के सबसे बड़े मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ईथॉस हॉस्पिटल के हृदय रोग विभाग द्वारा गत 18 माह के अंतराल में एक हजार सफल हृदय प्रोसीजर किए हैं। डॉ. के.के.टीयाल एवं सीए अरविंद गोयल ने बताया कि मल्टी स्पेशलिटी ईथॉस हॉस्पिटल में स्पेशलिटी ईथॉस हॉस्पिटल में अत्याधुनिक कैथलैब की उपलब्धता होने से हृदय रोग से संबंधित कई जटिल प्रोसीजर को सुगमता से अंजाम दिया जाता है। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शुभम जोशी के निर्देशन में गत 1.5 वर्ष के अंतराल में एक हजार हृदय रोगियों का सफल उपचार किया है। हाइड्रॉटी संभाग के विभिन्न स्थानों से आने वाले हृदय रोगियों को ईथॉस हॉस्पिटल, कोटा ने उचित चिकित्सा व सर्जिकल प्रदान करने का प्रयास किया है और रोगियों को दिल के दर्द से राहत प्रदान कर ईथॉस हॉस्पिटल ने जनता में विश्वास कायम किया है। वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ.शुभम जोशी ने बताया कि गत 18 माह में कई जटिल हृदय रोगों का सफल उपचार विभिन्न नवीनतम तकनीक के माध्यम से किया गया। एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, पेसमेकर आदि व रोटा एब्लेशन जैसे आधुनिक तकनीक के एब्लेशन से जैसा एवं उचित उपचार दिया गया। डॉ.जोशी ने बताया कि जिन मरीजों की हृदय की नसों में कुछ ज्यादा कैल्शियम जमा होता है या लम्बे

जटिलतम हृदय रोग का नवीनतम तकनीक से किया उपचार

क्लिकेज होते हैं। उनकी एंजियोप्लास्टी की बजाय बायपास सर्जरी की जाती थी लेकिन रोटा एब्लेशन तकनीक से अधिकतर मामलों में बायपास सर्जरी की जरूरत नहीं रही। ऐसे मरीजों में यह तकनीक बहुत कारगर है। उन्होंने बताया कि यहां ईथॉस हॉस्पिटल में सफल इलाज के पीछे ईथॉस हॉस्पिटल की नवीनतम, अत्याधुनिक उपकरण युक्त कैथलैब है जहां बिना रुकावट सुविधापूर्ण तरीके से प्रोसीजरस किये जा रहे हैं। निदेशक प्रदीप दाधीच व जितेंद्र कुमार गोयल ने बताया कि सफल के टाईप 1 के विभिन्न शोधपत्रों से यह पता लगा के पूरे विश्व में वर्तमान में चोरियासी लाइव रोट टाइप 1 से पीड़ित हैं एवं भारत में आठ लाख साठ हजार चार सौ तेईस लोग टाइप वन मधुमेह के साथ जी रहे हैं सही समय पर डायनोसिस एवं सही इन्सुलिन एवम जांच करने की मशीन उपलब्ध हो जाए तो मरीज के लिए 20 वर्ष बचाए जा सकते हैं तथा इस सेमिनार में इसी विषय पर चर्चा करेंगे एवं भविष्य में इनको जो चुनौतियों का सामना कैसे किया जाए उस बारे में भी चर्चा करेंगे। इस कार्यक्रम के डाबेटोलॉजिस्ट और ईसा कोटा के समन्वयक डॉ.जी.डी. रामचंदानी ने आज एक प्रवक्ता वार्ता में बताया कि ‘फॉर ट टाइप वन डायबिटिक, ऑए टाइप

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना कोटा मंडल **रिविल इंजीनियरिंग (गति शक्ति यूनिट)** भारतसंघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप मुख्य अति. (गति शक्ति यूनिट) पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदा गति शक्ति यूनिट कोटा के लिए आगंत्रित है:- टेंडर संख्या: जी.एस.यू. कोटा-01-2024, कार्य का विवरण: सिंक्राईजिंग ऑफ 2 x 24.40 मीटर (सिमेंट ब्रू नॉन स्टेन्डर्ड) ऑफ ब्रिज नं. 250 अप ऑफ कोटा डिवाजन। कार्य की लगान: ₹ 3,55,80,916.07, टेंडर बन्ध होने की तारीख: 13.05.2024, नोट: पूर्ण विवरण वेबसाईट www.treps.gov.in पर उपलब्ध है। ई-निविदा में तथा उप मुख्य इंजीनियर (गति शक्ति यूनिट), मंडल रेल प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा कार्यालय शाखा के नोडल ऑफ पर देखा जा सकता है। आफर सिर्फ ई-निविदा के माध्यम से ही स्वीकार किये जायेंगे। ई-निविदा के अतिरिक्त ऑफ लाईन/मैनूअल ऑफर के माध्यम से टेंडर स्वीकार नहीं किये जायेंगे। उप मुख्य अभियंता (गति शक्ति यूनिट) पश्चिम भारत अभियान एच कल्या सखरवाला की ओर

21 अनाथ जोड़ों को मंत्री बाथम ने आशीर्वाद दिया

कोटा, (निर्स)। राजस्थान कहर, केवट, भौई कश्यप निवाह, मेहर, केवटवंशीय समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन सिलोर में आयोजित किया जिसमें 21 अनाथ जोड़ों का विवाह समारोह महाकुंभ में बदल गया। मध्य प्रदेश सरकार के केबिनेट मंत्री सीताराम बाथम समेत समाज के प्रमुख लोगों ने वर वधुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। प्रदेश अध्यक्ष उमाशंकर कहर ने बताया कि भरतपुर संभाग अध्यक्ष रूपसिंह कहर, अजमेर संभागीय अध्यक्ष मदन लाल कहर, जयपुर संभागीय अध्यक्ष मनमोहन मेहरा, महिला इकाई की प्रदेशाध्यक्ष सरिता केवट, उपाध्यक्ष सुमनलता कश्यप, सुनिता कश्यप, पुनम सीवान, ओमप्रकाश केवट, बबलू कहर, प्रदेश महासचिव चिरंजी लाल कहर, केकडी जिला अध्यक्ष जयकिशन कहर, उपाध्यक्ष भंवरलाल कहर, मंडिया प्रभारी सत्यनारायण कहर, संरक्षक हीरालाल कहर, बूंदी जिला अध्यक्ष राकेश कहर, बूंदी जिला महामंत्री रामकुमार कहर, रामधन कहर, कोटा जिला महामंत्री रामचंद्र केशव केवट, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन कहर, उपाध्यक्ष कुलदीप कहर, संगठन मंत्री करण कहर, विष्णु कहर, बालमुकुंद कहर, गिरांज कहर, अभिषेक कहर, आदि प्रमुख रहे।

15 हजार की आबादी में सरकारी स्कूल नहीं

कोटा, (निर्स)। पूर्व संसदीय सचिव भवानीसिंह राजावत अननूपुरा के समीप केशर बस्ती के लोगों के बीच पहुंचे जहां बस्तीवासियों ने उन्हें बताया कि 15 हजार की आबादी वाली केशर बस्ती में बच्चों की पढ़ाई के लिए सरकारी स्कूल नहीं है। 50 वर्षों से ये हम लोग विद्यालय से महरूम है कोप्रेश और भाजपा का लगातार राज रहा सबके मतदाता सूची में नाम है जनप्रतिनिधि वोट लेते रहे लेकिन हम गरीबों को मूलभूत सुविधा मिले इसकी किसी ने चिंता नहीं की। स्वायत्त शासन मंत्री शान्ति धारीवाल ने शहर के विकास और सौन्दर्यवर्धन पर 6 हजार करोड़ रूपए खर्च कर दिए लेकिन कोटा शहर के हजारों मजदूर आज भी फटेहाल पड़े हुए हैं। पूर्व विधायक राजावत केशर बस्ती के लोगों के बीच में उनकी पीड़ा सुनकर चोकनें हो गए बस्ती में न तो स्कूल है, न ही आबादी के बीच न कोई सामुदायिक भवन, न पीने के पानी की पाईप लाईन है, न बस्ती में सीसी रोड़ है, न नालियां हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 80 करोड़ लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध करा रहे हैं लेकिन इन गरीबों को तस से गेहूं भी नहीं मिल रहा जब नगर निगम, विधानसभा और लोकसभा के चुनाव आते है तो जनप्रतिनिधि इन लोगों से वोट बटोर लेते है लेकिन ये लोग आज भी मूलभूत सुविधा के तत्स रहे हैं। राजावत ने उन्हें विश्वास दिलाया कि लोकसभा चुनाव समाप्त होते ही वे बस्ती में सबसे पहले सरकारी स्कूल, नगर विकास न्यास से सामुदायिक भवन, और जलदाय विभाग से पीने के पानी की पाईप लाईन और पूरी बस्ती में सीसी रोड़ और नालियां, रस्द विभाग से खाद्य आपूर्ति के लिए लोगों के राशन कार्ड चालू करावेंगे। अब तक जनप्रतिनिधियों की दूढ़ इच्छाशक्ति के अभाव में यह गरीब मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसते रहे लेकिन अब इनको सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी। केशर चलाकर पथर तोड़कर जीवन यापन करने वाले मजदूर फटेहाल और बेहाल पड़े हुए हैं। कार्यक्रम को बस्ती की अध्यक्ष लक्ष्मीबाई, बाबुलाल, दौलत, गोविन्द, मीना, शान्तिबाई, रेखा आदि ने भी सम्बोधित किया।

बस्ती मे न तो स्कूल है, बड़ी आबादी के बीच न कोई सामुदायिक भवन, न पीने के पानी की पाईप लाईन है, न बस्ती मे सीसी रोड़ है, न नालियां हैं।

ने उन्हें विश्वास दिलाया कि लोकसभा चुनाव समाप्त होते ही वे बस्ती में सबसे पहले सरकारी स्कूल, नगर विकास न्यास से सामुदायिक भवन, और जलदाय विभाग से पीने के पानी की पाईप लाईन और पूरी बस्ती में सीसी रोड़ और नालियां, रस्द विभाग से खाद्य आपूर्ति के लिए लोगों के राशन कार्ड चालू करावेंगे। अब तक जनप्रतिनिधियों की दूढ़ इच्छाशक्ति के अभाव में यह गरीब मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसते रहे लेकिन अब इनको सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी। केशर चलाकर पथर तोड़कर जीवन यापन करने वाले मजदूर फटेहाल और बेहाल पड़े हुए हैं। कार्यक्रम को बस्ती की अध्यक्ष लक्ष्मीबाई, बाबुलाल, दौलत, गोविन्द, मीना, शान्तिबाई, रेखा आदि ने भी सम्बोधित किया।

राशन सामग्री का वितरण किया

कोटा, (निर्स)। रोटी क्लब पदमिनी के द्वारा अपने स्थाई प्रोजेक्ट अननूपूर्ण प्रोजेक्ट के तहत मुस्कान की रसोई को राशन सामग्री का वितरण किया गया। क्लब अध्यक्ष सुपना बंसल एवं सचिव दिप्ति राजावत ने बताया कि क्लब ने 90 किलो राशन सामग्री भेंट की है। उन्होंने बताया कि यह क्लब का स्थाई प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट के तहत क्लब हर माह किसी भी जरूरतमंद संस्था को राशन सामग्री व भोजन पैकेट वितरित करता है। दीप्ति राजावत ने बताया कि अप्रैल माह में अननूपूर्ण प्रोजेक्ट की चैयरमैन रेणु दीपचन्दानी रही जिनके सहयोग से राशन सामग्री की वितरित हो सका। रेणु दीपचन्दानी ने बताया कि मुस्कान की रसोई निर्यत व जरूरतमंद लोगों को भोजन करने का कार्य 5 रुपये थाली में करवाती है। ऐसे में संस्था ने आटा, कान्हा, नमक, दाल, नमक व मसालों सहित 90 किलो राशन सामग्री भेंट की।

सिन्धी समाज ने विधानसभा अध्यक्ष का स्वागत किया

अध्यक्ष ओम आडवानी, संत कंवरराम धर्मशाला अध्यक्ष गिरारथ पंजवानी द्वारा साफा पहनाकर स्वागत किया गया। विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने इस अवसर पर उपस्थित कोटा शहर की समस्त बस्ती के पदाधिकारियों व सिन्धी समाज के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विभाजन के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना सरासर गलत है। यह दुर्भाग्य रहा कि सिन्ध परिवार विभाजन में पाकिस्तान में चला गया। देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज के परिवारजन, भावी पीढ़ी आपस में घरो में सिन्धी भाषा में बातचर्चा करें, घरों पर सिन्धी गाने बजाये, ताकि बच्चों में सिन्धी भाषा के प्रति जागरूकता रहे व भाषा को समझे। कोटा दक्षिण विधायक विंशाशर्मा ने कहा कि सिन्धी समाज के बाद समाज के लोगों को शरणार्थी कहा गया, जबकि सिन्धी समाज तो अविभाजित हिन्दुस्तान के ही थे यही रहते थे। जिन्हें शरणार्थी या दूसरे देश से लौटा हुआ माना